सूचना की गुणवत्ता – लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण

वैश्वीकरण और डिजिटलीकरण के युग में सूचना की गुणवत्ता समकालीन समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है। यह विशेष रूप से उन लोकतांत्रिक देशों के लिए मामला है, जो अक्सर गलत सूचनाओं के निशाने पर होते हैं। इस खतरे के प्रत्यत्तर में हमने भारत में इस समस्या के पैमाने का विश्लेषण करने के लिए अपने भागीदारों के साथ मिलकर कार्य किया। यह परियोजना पारंपरिक भारतीय मीडिया द्वारा दी गई रिपोर्टिंग पर शोध पर केंद्रित है, इसके पश्चात गलत सूचनाओं के मामलों की खोज में गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण किया गया।

परियोजना के भागीदार हैं: INFA, शूमाकर सेंटर दिल्ली, भारतीय पत्रकार संघ (IJU), अंतर्राष्ट्रीय संबंध केंद्र (CIR)।